ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक: 07.01.2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2025-01-07 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	08/01/2025	09/01/2025	10/01/2025	11/01/2025	12/01/2025
वर्षा (मीमी)	0	0	0	0	10
अधिकतम तापमान(से.)	23	23	23	23	22
न्यूनतम तापमान(से.)	8	8	8	8	9
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	60	60	60	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	2	3	3	2	2
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	7

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (31 दिसंबर से 6 जनवरी) में 0 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 13.0-22.0 और 8.1-11.2oC के बीच रहा। पिछले कुछ दिनों में कोहरा रहा और कभी कभी आसमान में बदल छाए रहे। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 86-100% और 51-84% के बीच रही। हवा की गति ज्यादातर 1.2-5.2 किमी प्रति घंटे के बीच रही और दिशा मुख्य रूप से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण-पूर्व और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम से रही थी। आगामी 5 दिवसीय पूर्वानुमान 11 जनवरी को 10 मिमी वर्षा दिखाता है और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 22.0-23.0oC और 8-9oC के बीच रहने का अनुमान है। 11 जनवरी को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम रहने की संभावना है। अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने के साथ तूफान आने की पीली चेतावनी जारी की गयी है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि-मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत ऐप" पर अपडेट की जाती है और बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को इंगित करती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है, इसलिए खेती की गतिविधियों को उसी के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए। पूर्वानुमानित स्थितियों में रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक/ फूल आना	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। पूर्वानुमानित परिस्थितियों में एफिड के आक्रमण के विरुद्ध रासायनिक छिड़काव से बचना चाहिए।
राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों	परिपक्वता / फूल आना/ फली बनना	देर से बोई गई रेपसीड की कटाई परिपक्वता पर करनी चाहिए, जबकि सरसों (राई) की सिंचाई फूल आने और फली बनने के समय करनी चाहिए। सभी सिंचाई और रासायनिक अनुप्रयोगों को पूर्वानुमानित स्थितियों के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
गेहू	वानस्पतिक	देर से बोई गई फसल में खरपतवार निकलने की स्थिति में हाथ से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए या आवश्यकतानुसार सिंचाई के साथ-साथ निर्धारित रसायन का प्रयोग करना चाहिए। जिंक की कमी होने पर फसल पर जिंक सल्फेट का निर्धारित मात्रा में छिड़काव करना चाहिए तथा रोगों की नियमित निगरानी करनी चाहिए। सभी आवेदनों को पूर्वानुमानित मौसम की स्थिति के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	देर से बोई गई फसल की निराई-गुड़ाई पर निगरानी रखनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किये जाने चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	पेड़ी और शरदकालीन गन्ने की निगरानी की जानी चाहिए और जल कल्लो को काट देने जैसे उचित कृषि कार्य किए जाने चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किये जाने चाहिए।
चारा फसलें	वानस्पतिक	फसलों की कटाई उचित समय पर करनी चाहिए और कटाई के तुरंत बाद सिंचाई करनी चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किये जाने चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	रोपाई	खाद वाले खेतों में प्याज की फसल की रोपाई जनवरी के मध्य तक पूरी कर लेनी चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किये जाने चाहिए।
सब्जीमटर	वानस्पतिक/ फूल आना	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के

		अनुसार निर्धारित किये जाने चाहिए।
टमाटर/मिर्च	फूल/फल बनना	रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसलों की नियमित जांच की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किये जाने चाहिए।
आलू	वानस्पतिक	फसल में मिट्टी चढ़ाने की क्रिया के बाद बचे हुए नाइट्रोजन को 30-35 दिनों के अंतराल पर डालना चाहिए। आलू में लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किये जाने चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
भेड़/बकरी	भेड़/बकरी के प्रसव कक्ष को साफ-सुथरा रखें।